

पाकिस्तानी बीएटी की घुसपैठ की छह कोशिशें नाकाम

दीपक रस्तोगी
नई दिल्ली, 11 मई।

पाकिस्तानी सेना की बदनाम 'बार्डर एक्शन टीम' (बीएटी) ने भारतीय सीमा में आतंकवादियों की घुसपैठ कराने के नापाक प्रयास बढ़ा दिए हैं। कश्मीर घाटी में नियंत्रण रेखा के आस-पास के गांवों में भारतीय सेना और सुरक्षा बलों की तलाशी अभियान तेज होने के साथ-साथ बीएटी की गतिविधियां उस पार से बढ़ गई हैं। एक मई को कश्मीर घाटी के कृष्णा घाटी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर भारत की चौकियों पर बीएटी के हमले में दो जवान शहीद हो गए थे। तब से अब तक बीएटी विभिन्न इलाकों में घुसपैठ कराने के छह प्रयास कर चुकी है। घुसपैठ रोकने की कोशिश में नियंत्रण रेखा पर भारतीय सेना की चौकियों से गोलाबारी की जा रही है।

जम्मू व कश्मीर के तंगधार क्षेत्र के एकाधिक गांवों में भारतीय सेना को घुसपैठ के सबूत मिले

हैं। तंगधार में पिछले पांच दिन में घुसपैठ के तीन प्रयास किए गए हैं। उस इलाके में तैनात सेना की टुकड़ियों को सतर्कता के संदेश जारी किए गए हैं। सेना के अधिकारियों के अनुसार, कम से कम सात आतंकवादी तंगधार में घुसे हैं। दो बार घुसपैठ के प्रयास विफल कर दिए गए थे।

- कश्मीर के तंगधार में सात आतंकवादियों के घुसपैठ के सबूत मिले
- सेना की तलाशी में रामपुर और बारामुला से हथियारों के जखीरे और पाकिस्तान में बने सामान मिले

भारतीय सेना ने तंगधार के रामपुर और बारामुला से हथियारों के बड़े जखीरे पकड़े हैं। साथ ही, रेडियो सेट, रात में देखने के उपकरण (नाइट विजन डिवाइसेज), कपड़े, भोजन और पाकिस्तान में बनी दवाएं बरामद की गई हैं।

हथियार और सभी सामान छह से सात लोगों के इस्तेमाल लायक थे। तलाशी अभियान के

दौरान रामपुर और बारामुला में आतंकवादियों के छिपे होने की सूचना पर छापे मारे गए थे। स्थानीय कमांडर स्तर की वार्ता में भारतीय सेना ने पाकिस्तानी कमांडरों के साथ इस बारे में जानकारी साझा करते हुए आपत्ति जताई है। हालांकि, पाकिस्तानी कमांडरों ने आधिकारिक तौर पर आरोप स्वीकार करने से इनकार किया है।

नौशेरा सेक्टर में भी इन दिनों घुसपैठ की कोशिश चल रही है। इस कोशिश में पाकिस्तानी चौकियों की तरफ से गोलीबारी की जा रही है। भारतीय जवान जवाब दे रहे हैं। भारतीय सीमा में आतंकवादियों की घुसपैठ कराने और जम्मू कश्मीर में गड़बड़ी फैलाने के मकसद से पाकिस्तानी सेना ने अपने जवानों और आतंकवादियों को मिलाकर बार्डर एक्शन टीम (बीएटी) का गठन किया है। एक मई को कृष्णा घाटी सेक्टर में हमले के बाद से कश्मीर घाटी में भारतीय फौज की बढ़ी सक्रियता से घुसपैठियों को परेशानी हो रही है।